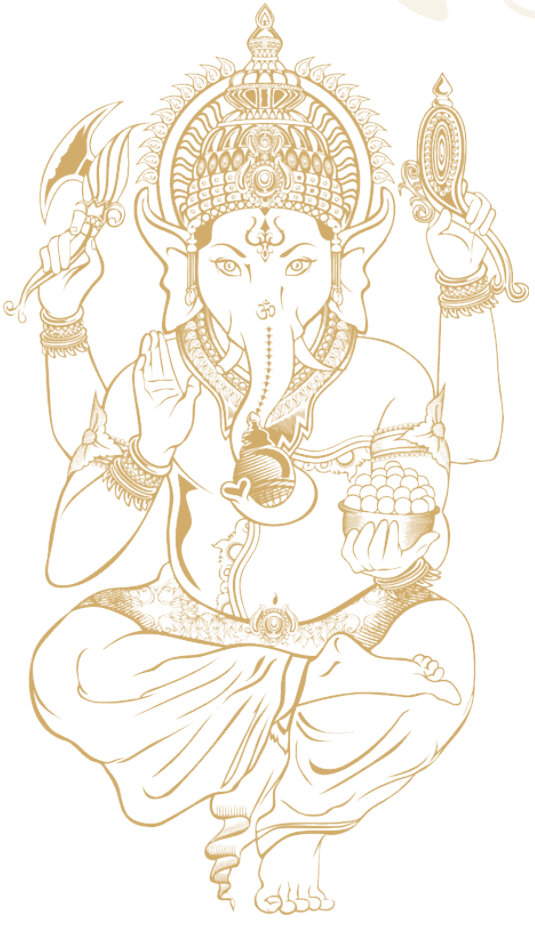

Sunil

11 Oct 1994

06:30 AM

Ajmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 121731004

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/10/1994**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**06:30:00 घंटे**
इष्ट	00:03:52 घटी
स्थान	**Ajmer**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:29:00 उत्तर
रेखांश	74:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:58:40 घंटे
वेलान्तर	00:13:09 घंटे
साम्पातिक काल	07:16:14 घंटे
सूर्योदय	06:28:27 घंटे
सूर्यास्त	18:07:35 घंटे
दिनमान	11:39:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	23:42:16 कन्या
लग्न के अंश	23:15:26 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	अतिगण्ड
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भू-भूपेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	23:15:26	321:09:32	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	---
सूर्य			कन्या	23:42:16	00:59:20	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	सम राशि
चंद्र			धनु	13:57:15	13:54:36	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			कर्क	09:46:12	00:32:56	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	नीच राशि
बुध	व		तुला	12:30:05	00:13:25	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
गुरु			तुला	23:17:39	00:12:18	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	24:07:46	00:05:06	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	स्वराशि
शनि	व		कुंभ	12:36:47	00:02:50	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
राहु			तुला	21:18:58	00:01:02	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु			मेष	21:18:58	00:01:02	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			धनु	28:38:07	00:00:28	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
नेप			धनु	26:48:21	00:00:17	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	02:39:47	00:01:58	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			मिथु	23:48:13	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:14

लग्न-चलित

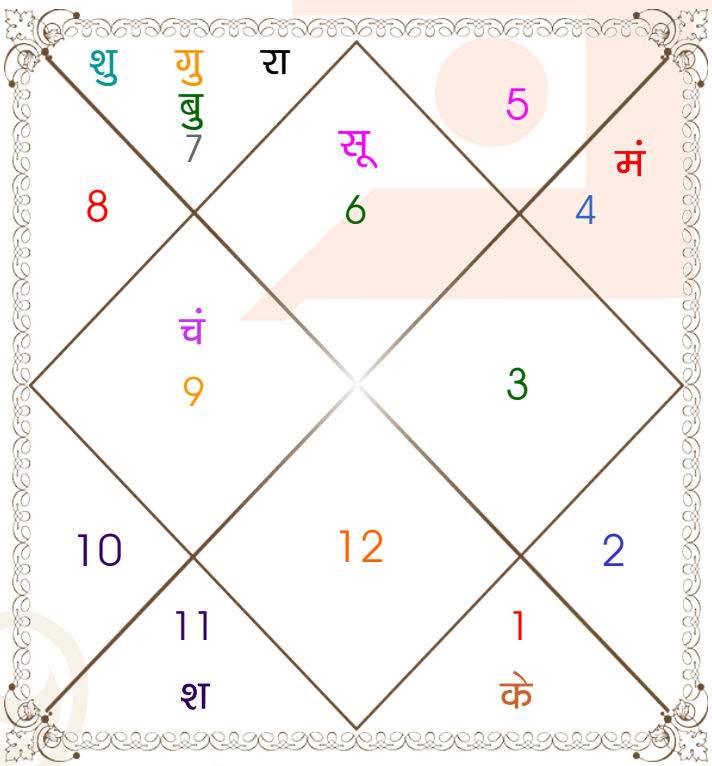

चन्द्र कुंडली

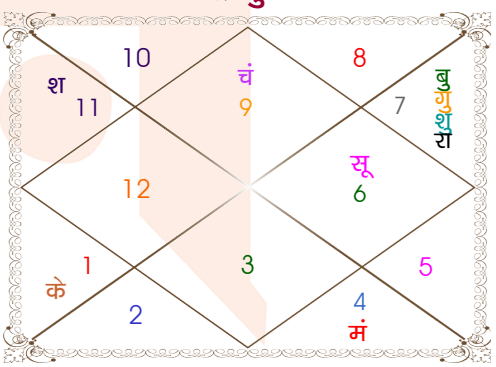

नवमांश कुंडली

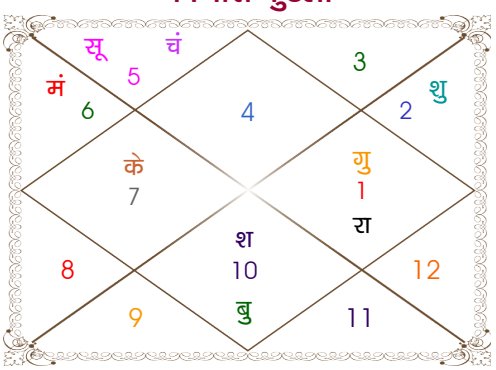

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 19 वर्ष 0 मास 25 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
11/10/1994		05/11/2013		05/11/2019		05/11/2029		04/11/2036	
05/11/2013		05/11/2019		05/11/2029		04/11/2036		05/11/2054	
शुक्र	06/03/1997	सूर्य	22/02/2014	चंद्र	05/09/2020	मंगल	03/04/2030	राहु	19/07/2039
सूर्य	06/03/1998	चंद्र	24/08/2014	मंगल	06/04/2021	राहु	21/04/2031	गुरु	11/12/2041
चंद्र	05/11/1999	मंगल	30/12/2014	राहु	06/10/2022	गुरु	27/03/2032	शनि	17/10/2044
मंगल	04/01/2001	राहु	23/11/2015	गुरु	05/02/2024	शनि	06/05/2033	बुध	07/05/2047
राहु	05/01/2004	गुरु	11/09/2016	शनि	05/09/2025	बुध	03/05/2034	केतु	24/05/2048
गुरु	05/09/2006	शनि	24/08/2017	बुध	04/02/2027	केतु	29/09/2034	शुक्र	25/05/2051
शनि	05/11/2009	बुध	30/06/2018	केतु	05/09/2027	शुक्र	30/11/2035	सूर्य	18/04/2052
बुध	05/09/2012	केतु	05/11/2018	शुक्र	06/05/2029	सूर्य	05/04/2036	चंद्र	17/10/2053
केतु	05/11/2013	शुक्र	05/11/2019	सूर्य	05/11/2029	चंद्र	04/11/2036	मंगल	05/11/2054

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/11/2054		05/11/2070		05/11/2089		06/11/2106		06/11/2113	
05/11/2070		05/11/2089		06/11/2106		06/11/2113		00/00/0000	
गुरु	23/12/2056	शनि	08/11/2073	बुध	02/04/2092	केतु	04/04/2107	शुक्र	12/10/2114
शनि	06/07/2059	बुध	18/07/2076	केतु	31/03/2093	शुक्र	03/06/2108		00/00/0000
बुध	11/10/2061	केतु	27/08/2077	शुक्र	29/01/2096	सूर्य	09/10/2108		00/00/0000
केतु	17/09/2062	शुक्र	26/10/2080	सूर्य	05/12/2096	चंद्र	10/05/2109		00/00/0000
शुक्र	18/05/2065	सूर्य	08/10/2081	चंद्र	06/05/2098	मंगल	06/10/2109		00/00/0000
सूर्य	06/03/2066	चंद्र	10/05/2083	मंगल	04/05/2099	राहु	25/10/2110		00/00/0000
चंद्र	06/07/2067	मंगल	17/06/2084	राहु	21/11/2101	गुरु	01/10/2111		00/00/0000
मंगल	11/06/2068	राहु	24/04/2087	गुरु	27/02/2104	शनि	08/11/2112		00/00/0000
राहु	05/11/2070	गुरु	05/11/2089	शनि	06/11/2106	बुध	06/11/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 19 वर्ष 0 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म हस्त नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय पर मेदिनीय क्षितिज पर कन्या लग्न के साथ-साथ कर्क राशि का नवमांश एवं वृषभ राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। प्रस्तुत समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव इस विन्दु की संभावना व्यक्त करता है कि आपका जीवन एक प्रस्तर चक्र के समान शोभनीय है जो सदैव एक परत से दूसरी परत तक परिवर्तित होता रहता है। अर्थात् आप काम को बदल-बदल कर सम्पादन करते रहते हो। आपकी महत्वकांक्षा है कि आपके नाम बैंक में मोटी रकम जमा रहे। परन्तु आप अपनी महत्वकांक्षा के प्रति अनिवार्य रूप से चिन्तन करना आवश्यक नहीं समझते हैं। लेकिन आप अपनी पहुँच के बारे में अच्छी प्रकार अध्ययन नहीं कर पाते कि आखिर आपकी पहुँच कहाँ तक है।

आपकी ऐसी आदत है कि आप अपने स्तर पर अनिवार्य अधूरे कार्य को त्याग कर नये कार्य प्रभार को ग्रहण कर लेते हो। यह साहसिक कार्य आपके लिए सदैव लाभदायक नहीं रहता है। क्योंकि आप वैद्यानिक रूप से यह निर्णय नहीं कर पाते हैं।

परन्तु प्रायः आप अस्वाभाविक रूप से बुद्धि को प्रेरित कर अपनी कार्य योजना का विकल्प की तलाश करने लगते हैं। यदि आप विशेषता पूर्वक निर्णय लेकर पूर्ण रूपेण सक्रिय हो जाएं तो आप पूर्ण लाभ प्राप्त करेंगे।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप अपने विचारों को अत्यनत संकट ग्रस्त मोड़ दे देते हों। इस कारण ऐसा घटित हो सकता है कि आपके मित्र अथवा व्यवसायिक सहयोगी निरन्तर आपकी कमजोरी के सम्बन्ध में सदैव आलोचना करें। इस प्रकार वे लोग आपको पूर्ण रूपेण तिरस्कृत कर दें। परिणाम स्वरूप वे लोग इस सम्बंध में प्रयास करके आपके विरूद्ध न्यायालय में आपकी त्रुटि को उजागर करे। अतः आपको धैर्य पूर्वक अपनी उस आपतिजनक गुर्राने की आदतों को सदा के लिए त्याग देना चाहिए। आपको नाना प्रकार की घरेलू विषयक दुर्बलता का भी त्याग कर देना चाहिए। अन्यथा वातावरण दुषित हो जायगा। वास्तव में आपको अत्यन्त ही आरामदायक भवन तथा गृहणी चाहिए जो हर हालत में प्रेम सम्बंध प्रदान करते हुए आपका समर्थन एवं सहयोग करे।

आप विपरीत योनि के प्रति आकर्षित तथा सम्बंधित व्यग्रता या घबराहट उत्पन्न करने वाली रोग प्रणाली के प्रति सतर्कता बरते। ये दोनों रोग उच्चस्तरीय स्पन्दित है। यदि आप पूर्व सतर्कता नहीं बरत सके तो आप इन रोगों से ग्रसित एवं प्रभावित हो जाएंगे। आप को वृद्धावस्था की प्राप्ति होगी। आप को भोजन के अतिरिक्त शाक-सब्जी का भोज्य करने के उपरान्त सम्बंधित रोगों के भार से मुक्त हो जाएंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सूआपंखी, पीला, हरा एवं सफेद रंग भाग्यशाली एवं प्रभावक हैं। कृपया काला रंग लाल एवं नीला रंगों का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल संभावित एवं स्पष्ट अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। इन तारीखों को महत्वपूर्ण समझें। अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।